FOOD SAFETY AND STANDARDS AUTHORITY OF INDIA
Inspiring Trust, Assuring Safe & Nutritious Food

For immediate release

प्रेस विज्ञप्ति

विश्व खाद्य दिवस 2023 के अवसर पर एफएसएसएआई ने मिलेट आधारित ईट राइट क्रिएटिविटी चैलेंज लॉन्च किया

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 2023: भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सोमवार, 16 अक्टूबर 2023 को विश्व खाद्य दिवस 2023 के अवसर पर ईट राइट क्रिएटिविटी चैलेंज फॉर मिलेट्स (श्री अन्ना) लॉन्च किया। इस पहल का उद्देश्य स्कूली बच्चों के बीच स्वास्थ्य लाभ और मिलेट की खपत को बढ़ावा देना है, जिससे बड़े समुदाय तक इसका लाभ पहुंचाया जा सके। एफएसएसएआई द्वारा इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के दौरान विभिन्न माध्यमों से मिलेट के उपयोग और पोषण संबंधी लाभों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया एक कदम है।

प्रतियोगिता में पोस्टर मेकिंग (कक्षा 3-5), रंगोली (कक्षा 6-8), स्लोगन लेखन (कक्षा 9-10) और निबंध लेखन (कक्षा 11-12) सहित कई गतिविधियाँ शामिल होंगी, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक प्रतियोगिता मिलेट के विषय पर केंद्रित होगी जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को इसके खान-पान से जुड़े स्वास्थ्य लाभों के प्रति संवेदनशील बनाना है।

प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा, क्षेत्रीय स्तर पर कुल 160 पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर 40 पुरस्कार उपरोक्त चार प्रतियोगिताओं के विजेता को दिया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण आज से शुरू है और सभी स्कूल निम्नलिखित पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं- https://eatrightindia.gov.in/CreativityChallenge4/home

एफएसएसएआई के ईट राइट इंडिया आंदोलन के हिस्से के रूप में 'ईट राइट क्रिएटिविटी चैलेंज' (ईआरसीसी), स्वस्थ आहार संबंधी आदतों को विकसित करने के लिए छात्रों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करने का प्रयास करता है। इसके अलावा, यह प्रतियोगिता स्कूलों को स्वस्थ

और सुरक्षित भोजन का माहौल बनाने और छात्रों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए उत्साहित और सक्षम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। अब तक, तीन ईआरसीसी को कई चरणों में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है, प्रत्येक चरण की अपनी अनूठी थीम है।

यह देखते हुए कि युवा लोग बदलाव के वाहक हैं जो सही खाने के संबंध में बड़े पैमाने पर समुदाय को प्रभावित व जागरुक कर सकते हैं, भारत के युवाओं के बीच स्वास्थ्य, पोषम व स्थायी आहार प्राथाओं को बढ़ावा देने के लिए एफएसएसएआई प्रतिबद्ध है।